हिन्दी Hindi Class 12 Important Question Chapter 13 गाँधी, नेहरू और यास्सेर अराफ़ात

1. लड़का क्यों बापू को बार-बार याद कर रहा था?

उत्तर: वह पंद्रह साल का लड़का बार-बार बापू को याद कर रहा था। ज्यादा ईख पी लेने से उसका पेड़ फूल गया था और बहुत तेज दर्द हो रहा था। उसको यह विश्वास था कि गाँधी जी, अगर आ जाए तो मेरी बीमारी ठीक हो जाएगी।

2. गाँधी जी प्रत्येक दिन कच्ची सड़क पर क्या करने जाया करते थे?

उत्तर: गाँधी जी प्रतिदिन प्रातः कच्ची सड़क पर घूमने निकलने जहाँ पर एक रुग्ण व्यक्ति रहते थे, संभवतः वह दिल के मरीज थे। गाँधी जी हर दिन उसके पास उनके स्वास्थ्य का हाल-चाल जानने के लिए जाया करते थे।

3. शेख अब्दुल्ला के नेतृत्व में क्या हुआ था?

उत्तर: शेख अब्दुल्ला ने पंडित नेहरू की कश्मीर यात्रा में उनका स्वागत किया था। पंडित नेहरू का कश्मीर में आगमन अद्‌भुत प्रकार से हुआ था।

4. नेहरू जी के साथ मेज पर कौन-कौन बैठा था?

उत्तर: उस रोज खाने की मेज पर बड़े लब्धप्रतिष्ठित लोग बैठे थे- शेख अब्दुल्ला, खान अब्दुल्ला गफ्फार खान, श्रीमती रामेश्वरी नेहरू, उनके पति आदि।

5. ट्यूनीशिया में कौन-सा आयोजन होने वाला था?

उत्तर: ट्यूनीशिया की राजधानी ट्युनिस में अफ्रों-एशियाई लेखक संघ का सम्मेलन होने वाला था। उस सम्मेलन में भारत से जाने वाले प्रतिनिधि मंडल में सर्वश्री कमलेश्वर, जोगिंदरपाल, बालू राव, अब्दुल बिस्मिल्लाह आदि शामिल थे।

लघु उत्तरीय प्रश्न (3 अंक)

6. अराफात का गाँधी जी के विषय में क्या विचार थे?

उत्तर: अराफात गाँधी जी को अपना नेता मानते थे। उनका कहना था कि गाँधी जी हर किसी के नेता हैं। अराफात का यह कथन गाँधी जी के व्यक्तित्व को दर्शाता है कि कैसे उनकी शिक्षा, अन्य देशों में भी अपनाई जा रही थी। गाँधी जी के अहिंसावादी आंदोलन से देश के सभी नेताओ ने प्रेरणा ली थी।

7. सेवाग्राम में कौन-कौन लोग आए थे? जिनका जिक्र लेखक ने किया है।

उत्तर: सेवाग्राम में गाँधी जी, जवाहरलाल नेहरू, यास्सेर अराफात, पृथ्वी सिंह आजाद, खान अब्दुल, मीरा बेन, राजेन्द्र बाबू, कस्तूरबा गाँधी इत्यादि लोगों के आने का जिक्र लेखक ने इस पाठ में किया है।

https://www.evidyarthi.in/

8. गाँधी जी का व्यवहार, रोगी बालक के लिए बहुत नम्र था। टिप्पणी करे।

उत्तर: वह पंद्रह साल का बालक बार बार बापू को याद कर रहा था। उसको यह विश्वास था कि गाँधी जी, अगर आ जाए तो मेरी बीमारी ठीक हो जाएगी। जब रोगी बालक तो गाँधी जी ने देखा, तो उसके पेट पर हाथ फेरा तथा बोले कि इसने ज्यादा ईख पी लिया है। चलो उल्टी करो और उसके पीठ पर सहलाते रहे। थोड़ी देर में बालक स्वस्थ हो गया तो बापू ने कहा कि “तू भी पागल है।” गाँधी जी का यह व्यवहार रोगी बालक के लिए बहुत नम्र और उनके आचरण के हिसाब से स्वाभाविक था।

9. भारत का रवैया फिलिस्तीन के प्रति सहानुभूति एवम् समर्थन भरा था। क्यों?

उत्तर: भारत का रवैया फिलिस्तीन के प्रति सहानुभूति एवम् समर्थन भरा था क्योंकि कोई भी देश फिलिस्तीन को आगे बढ़ाने के समर्थन में नहीं था। जबकि फिलिस्तीन के लोग मृदुभाषी होने के साथ-साथ बहुत ही अच्छे आचरण वाले थे। इन सभी बातों को जानते और समझते हुए भारत का रवैया फिलिस्तीन के प्रति बहुत ही अच्छा था।

10. यास्सेर अराफात के मेहमान नवाजी के सम्बन्ध में कुछ घटित घटनाओं का वर्णन कीजिए।

उत्तर: यास्सेर अराफात को उनकी मेहमान नवाजी के लिए जाना जाता था, वह कभी भी अपने मेहमानों को बिना प्रसन्न किये नहीं भेजते थे। उनकी मेहमान नवाजी की कुछ घटनाएँ इसप्रकार है। यास्सेर अराफात अपने मेहमानों को बड़े प्यार से शहद का शरबत पीने को बोल रहे थे। वह अपने अतिथियों को खाना खिलाने के साथ ही अपनी मीठी बोली में शहद की चटनी की कहानी भी सुना रहे थे।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (5 अंक)

11. लेखक के मन में गाँधी जी के साथ टहलने की लेकर कैसा उत्साह था?

उत्तर: जब लेखक के भाई ने लेखक को बताया कि गाँधी जी से मिलने के लिए भोर में 7 बजे उठना पड़ेगा, वो सुबह यही पर टहलने के लिए आते हैं। अगले दिन लेखक और उनके भाई सुबह सात बजे भागते-भागते उस जगह पहुँचे, जहाँ से गाँधी जी गुजरने वाले थे। लेखक उनसे मिलने के लिए बहुत उत्साहित था मगर जब वो आए ती तो उन्हें देख वह थोड़ा आश्चर्यचकित हो गया। वो सोचने लगा कि गाँधी जी, तो चित्र में भी बिल्कुल ऐसे ही दिखते हैं। उसने गाँधी जी से कहा बापू आप तो चित्र में भी ऐसे ही दिखते है, यह कथन सुन कर वह मुस्कुराए और आगे बढ़ने लगे। लेखक भी उनके साथ हो लिया और टहलने लगा, वह उत्साह और प्रसन्नता के साथ गाँधी जी के साथ कदम से कदम मिला रहा था। ऐसा करते हुए उसका दिल हर्षोल्लास के साथ भर गया था।

12. गाँधी जी और लेखक के बीच क्या वार्तालाप हुई थी?

उत्तर: लेखक को बातचीत के लिए कोई बात नहीं सूझ रही थी, लेकिन अचानक उनको गाँधी जी के रावलपिंडी आने वाली बात का स्मरण हो आया। उसने गाँधी जी से कहा क्या आपको याद है आप एक बार रावलपिंडी आए थे। गाँधी जी सहसा रुककर मेरी ओर देखने लगे। उनकी आँखों में चमक आ गई और मुस्कुराके बोले, हाँ! याद है। वहाँ मैं मिस्टर जान साहब के यहाँ गया था। वह शहर के एक मुस्लिम सज्जन और प्रसिद्ध बैरिस्टर थे। गाँधी जी फिर लेखक को अपने संस्मरण के बारे में बताने लगे, उन दिनों मैं बहुत काम कर लेता था। कभी थकता ही नहीं था। हमारी कहानी और बातों का सिलसिला आश्रम के फाटक तक चलता गया। मगर एक चीज थी, वे बहुत धीमी आवाज में बोलते थे, लगता था खुद से ही बात कर रहे हों।

https://www.evidyarthi.in/

13. नेहरू जी जब कश्मीर से आए थे,तो उनके स्वागत में क्या क्या इंतजाम किए गए थे?

उत्तर: पण्डित नेहरू कश्मीर यात्रा पर आए थे, ये बात भी लगभग उसी समय की है। वहाँ उनका भव्य स्वागत हुआ। शेख अब्दुल्ला को इस स्वागत समारोह का नेतृत्व सौंपा गया था। कश्मीर की सबसे खूबसूरत झेलम नदी, शहर के एक हिस्से से शहर के दूसरे हिस्से तक, सातवे पुल से अमिराकदल तक, नावों में सवार नेहरू जी की शोभायात्रा देखने को मिल रही। नदी के दोनों ओर हजारों की संख्या में कश्मीर निवासी अगाध उत्साह और हर्ष के साथ उनका स्वागत कर रहे थे। यह सच में भूत ही अद्‌भुत दृश्य था। शोभायात्रा समाप्त होने पर नेहरू जी को लेखक के फुफेरे भाई के बँगले में ठहराया गया था। लेखक के भाई के आग्रह पर लेखक ने पण्डित जी की देखभाल में उनका हाथ बताया था।

14. नेहरू जी ने कौन सी कहानी सुनाई थी?

उत्तर: नेहरू जी ने अनातोले की कहानी सुनाई थी जो कि फ्रांस के प्रसिद्ध लेखक थे। यह कहानी पेरिस शहर के एक गरीब बाजीगर की है, जो अपना गुजारा करने के लिए करतब दिखाया करता था। एक बार की बात है जब क्रिसमस का त्योहार था। पेरिस के सभी लोग माता मरियम को श्रद्धांजलि देने के लिये गिरजा घर जा रहे थे। सभी लोगों के पास अलग अलग तोहफे थे जो वह माता मरीयम को भेंट करना चाहते थे परन्तु बाजीगर इस त्योहार में भाग नहीं ले पाने की वजह से काफी उदास था क्योंकि उसके पास कोई तोहफा नहीं था तो उसने सोचा कि वह माता मरियम को अपना करतब दिखायेगा। उसने माता मरियम को बहुत सारे करतब दिखाए जिससे वह थक गया। बाजीगर थक कर हाफ रहा था तभी वहाँ बड़ा पादरी आ गया और उसने बाजीगर को सिर के बल खड़ा देख लिया। वह चिल्लाते हुए बोला कि माता मरियम की इससे बड़ी बेज्जती नहीं हो सकती और उसने बाजीगर को गिरजाघर से निकालने के लिए हाथ बढ़ाया तभी माता मरियम की मूर्ति हिली और बाजीगर के पास आकर अपने आँचल से उसका पसीना पोंछा। माता मरियम ने बाजीगर का सिर प्यार से सहलाया।

15. लेखक भीष्म साहनी का जीवन परिचय लिखिए।

उत्तर: भीष्म साहनी का जन्म सन् 1915 मे रावलपिंडि, पाकिस्तान मे हुआ था। इन्होने 1937 में लाहौर के लाहौर गवर्नमेंट कॉलेज से अंग्रेज़ी साहित्य में एम.ए तथा 1958 म पंजाब विश्वविद्यालय से पीएचडी कि उपाधि हासिल की। आप अवैतनिक शिक्षक होने के साथ साथ व्यापार भी करते थे। भारत पाकिस्तान के बँटवारे के पूर्व बाद इन्होंने भारत आकर समाचार पत्रों में लिखने का काम शुरू किया। मास्को में विदेशी भाषा प्रकाशन गृह (फॉरेन लैंग्वेजेस पब्लिकेशन हाउस) में अनुवादक के काम में कार्यरत रहे। उन्होंने यहाँ करीब दो दर्जन रूसी किताबों जा हिंदी रूपांतरण किया। तत्पश्चात दो सालों तक ‘नई कहानीयाँ’ नामक पत्रिका का संपादन किया। वे प्रगतिशील लेखक संघ और अफ्रो-एशियाई लेखक संघ (एफ्रो एशियन राइट्स असोसियेशन) से भी जुड़े रहे। आप आधुनिक हिंदी साहित्य के प्रमुख स्तंभों में से एक थे। भीष्म साहनी को हिंदी साहित्य में प्रेमचंद की परम्परा का आग्रणी लेखक माना जाता है। वे वामपंथी विचारधारा के साथ जुड़े थे लेकिन उन्होंने कभी मानवीय मूल्यों का अंदेखा नहीं किया। उन्होंने हमेशा मानवीय मूल्यों को पहले रखा और कभी किसी विचारधारा को खुद पर हक़ करने नहीं दिया। हिंदी के साहित्य में इनका विशेष योगदान है। इनकी मृत्यु 2003 में हुई थी।

https://www.evidyarthi.in/